22 April, 2012

दैनिक ट्रिब्यून

'सोशल मीडिया क्रांति बनकर उभरा'

शिमला, 21 अप्रैल (निस)। पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के शिमला चैप्टर ने राष्ट्रीय जन सम्पर्क दिवस के अवसर पर आज शिमला के बचत भवन में 'सोशल मीडिया का बढ़ता महत्व : जनसम्पर्क की भूमिका' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया। पीआरएसआई जन सम्पर्क दिवस के अवसर पर हर वर्ष देश भर में परिचर्चाओं का आयोजन करती है।

प्रवक्ता ने कहा कि सोशल मीडिया एक क्रांति बनकर उभरा है जिसके सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक पहलु भी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि समुचित योजना और शोध के साथ समाज हित में इसके सकारात्मक लाभों का दोहन किया जाए। एक अन्य प्रवक्ता ने सोशल मीडिया के माध्यम से सृजित हो रही व्यापक एवं विविध सूचनाओं के प्रबंधन की कला को सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि आज अत्यधिक सूचना का सम्प्रेषण हो रहा है लेकिन इसमें ज्ञान की अधिकता नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि मीडिया शोध और सूचना के अन्वेषण पर अधिक ध्यान दे ताकि लोगों के समक्ष वास्तविक और तथ्यों पर आधारित जानकारी प्रस्तुत की जा सके। पीआरएसआई के शिमला चैप्टर के अध्यक्ष बी.डी शर्मा ने कहा कि पीआरएसआई एक राष्ट्रीय संस्था है जिसके विभिन्न राज्यों में करीब 38 चैप्टर हैं। इस अवसर पर विचार-विमर्श सत्र का आयोजन भी किया गया।